

बच्चों को दिया जाएगा पौधों के संरक्षण का संस्कार

लखनऊ दिवसी • गैरिवापुर

बच्चों में औषधीय पौधों के संरक्षण का संस्कार शुनक के लिए मद्रासकी नूरा नारसुनाद आवुध विस्वाविद्यालय ने परतन की है। स्कूलों में बच्चों को योग सिखाया जाएगा। उन्हें एक औषधीय पौधा प्रदान किया जाएगा। एक माह बाद जिनके पौधे स्वस्थ रहेंगे, उन्हें 500 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। बच्चों को पौधों से लगाव हो इसलिए विस्वाविद्यालय ने यह योजना बनाई है।

विस्वाविद्यालय के आकर पर प्रश्नों के सर्वा 94 आवुध मन्दाविद्यालयों में इंटरनेट कर रहे उपर गार्वा में जाकर प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों को योग सिखाएंगे। विश्व योग दिवस पर 21 जून को उन्हें अपने कालन में बुलकर एक औषधीय पौधा देगा। इसके साथ ही पौधों के औषधीय गुणों से मरुत्व के बारे में कालन पर लिखा एक लेख भी प्रदान करेंगे, ताकि उन्हें पौधे के बारे में जानकारी हो सके। बच्चे पौधा अपने घर पर लगाएंगे।

नगह वाटिका के पौधे

- सूर्य - जाल मुलाह, मन्वर या कन्वर
- चंद्रमा - पत्तारा, चन्नेर या चमेली
- मंगल - गुड्डल, छैर या लाल चद्रन
- बुध - अपजार्न, गान या बेल
- गुरु - बेल, पल बेल या गीही
- शुक्र - गुलर, कन्नेर या गुलसी
- शनि - शनी या शमा बेली
- राहु - दुर्गा, नीम या सदा चुल्ला
- केतु - कुशा, पल बेल या गीही

नक्षत्र वाटिका के पौधे

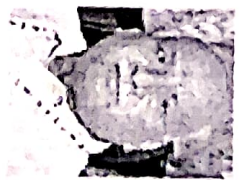
- अश्लेषा - केला, आक या धतूरा, भस्मी - केला या आवला, कुतिका - गुलर, रोहिणी - जम्बू, भृगुशिरा - छैर, आर्द्र - आम या बेल, पुनर्वसु - बारा, पुष्य - पीपल, अश्लेषा - नागकेशर या चन्द्रा, मघा - बड़, पूर्वाषाढा - टाक, उत्तराषाढा - बड़ या फाकड़, कस्तूर - रीठा, विशा - बेल, स्वाति - अर्जुन, धिशाखा - नीम या तिकक, अनुराधा - मालतीरो, ज्येष्ठा - रीठा, मूल - राल, पूर्वाषाढा - मालतीरो या जम्बू, उत्तराषाढा - कठूर, ब्रह्मा - आक, धनिष्ठा - शमी या सेमर, शमीशा - कचरा, पूर्वाभाद्रपद - आम, उत्तराभाद्रपद - पीपल या सोनपाटा, रेवती - महुआ।

उन्हें नियमित पानी देना। एक माह बाद उसका प्यंटा कालन को वाट्सएप पर

महाविद्यालयों में बनाई जाएगी नगह व नक्षत्र वाटिका

यहां भरदर ने कन रह विद्यापीठालय समेत सभी आणुध महाविद्यालयों में नक्षत्र व नगह वाटिका बनाई जाएगी। इसका विचारो चल रही है। दोनों वाटिकाओं में लगाए जाने वाले पौधों को रूखों कम जो गई है। इससे विद्यार्थी पौधों व नक्षत्रों से संबंधित पेड़-पौधों के बारे में जान सकेंगे।

सर्वा आयुष



मन्दाविद्यालय में आणुध किया गया है कि ये औषधीय पौधों के संरक्षण अभियान को आगे बढ़ाए। शिक्षकों व छात्रों को प्रेरित किया जा रहा है कि एक दिन से प्रायः अभियानों को रिनवय, सक्रियता व रूतुपणा में बदल मंगाए ताकि जिन स्वस्थ रहें।
डा. रूठ सिंह, कुलपति, मन्दाविद्यालय
 मन्दाविद्यालय, लखनऊ

योग सिखाने के साथ बच्चों को पठन किए जाएंगे औषधीय पौधे, एक माह बाद जिसका पौधा स्वस्थ होगा, किया जाएगा पुरस्कार

भारत में। जिसका पौधा स्वस्थ होगा, उसे पुरस्कार किया जाएगा। एक आवुध महाविद्यालय में पांच गार्वा को पाठ दिया है। उनहीं गार्वा में यह अभियान चलाना जाएगा।